केन्द्रीय विद्यालय संगठन, चेन्नई संभाग
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN CHENNAI REGION

सामान्य पूर्व बोर्ड परीक्षा : 2016-17
COMMON PRE BOARD EXAMINATION - 2016 -17

कक्षा : 12 **समय : 3 घंटे**

विषय ; हिन्दी (केंद्रिक) **पूर्णांक : 100**

- **कृपया जांच कर लें कि इस प्रश्न - पत्र में 14 प्रश्न हैं ।**
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- **प्रश्न -पत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट दिए जाएँगे ।**
- **इस अवधि के दौरान वे उत्तर पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।**

खंड - 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक तरफ साहित्य लेखन की भाषा आज भी संस्कृतनिष्ठ बनी हुई है तो दूसरी तरफ़ संचार माध्यम की भाषा ने जनभाषा का रूप धारण करके व्यापक जन स्वीकृति प्राप्त की है। समाचार विश्लेषण तक में कोडमिश्रित हिंदी का प्रयोग इसका प्रमुख उदाहरण है। इसी प्रकार पौराणिक, ऐतिहासिक, राजनैतिक, पारिवारिक, जासूसी, वैज्ञानिक और हास्यप्रधान अनेक प्रकार के धारावाहिकों का प्रदर्शन विभिन्न चैनलों पर जिस हिंदी में किया जा रहा है वह एकरूपी और एकरस नहीं है; बल्कि विषय के अनुरूप उसमें अनेक प्रकार के व्यावहारिक भाषा रूपों या कोडों का मिश्रण उसे सहज जनस्वीकृत स्वरूप प्रदान कर रहा है। एक वाक्य में कहा जा सकता है कि संचार माध्यमों के कारण हिंदी भाषा बड़ी तेज़ी से तत्समता से सरलीकरण की ओर जा रही है। इससे उसे अखिल भारतीय ही नहीं, वैश्विक स्वीकृति प्राप्त हो रही है। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक हिंदी दुनिया में तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा थी, परंतु आज स्थिति यह है कि वह दूसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बन गई है तथा यदि हिंदी जानने-समझने वाले हिंदीतर भाषी देशी-विदेशी हिंदी भाषा प्रयोक्ताओं को भी इसके साथ जोड़ लिया जाए तो हो सकता है कि हिंदी दुनिया की प्रथम सर्वाधिक व्यवहृत भाषा सिद्ध हो। हिंदी के इस वैश्विक विस्तार का बड़ा श्रेय भूमंडलीकरण और संचार माध्यमों के विस्तार को जाता है। यह कहना ग़लत न होगा कि संचार माध्यमों ने हिंदी के जिस विविधतापूर्ण सर्वसमर्थ नए रूप का विकास किया है, उसने भाषासमृद्ध समाज के साथ-साथ भाषावंचित समाज के सदस्यों को भी वैश्विक संदर्भों से जोड़ने का काम किया है। यह नई हिंदी

कुछ प्रतिशत अभिजात वर्ग की भाषा नहीं; बल्कि अनेकानेक बोलियों में व्यक्त होने वाले ग्रामीण भारत की नई संपर्क भाषा है। इस भारत तक पहुँचने के लिए बड़ी से बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भी हिंदी और भारतीय भाषाओं का सहारा लेना पड़ रहा है।

हिंदी के इस रूप विस्तार के मूल में यह तथ्य निहित है कि गतिशीलता हिंदी का बुनियादी चरित्र है और हिंदी अपनी लचीली प्रकृति के कारण स्वयं को सामाजिक आवश्यकताओं के लिए आसानी से बदल लेती है। इसी कारण हिंदी के अनेक ऐसे क्षेत्रीय रूप विकसित हो गए हैं जिन पर उन क्षेत्रों की भाषा का प्रभाव साफ़-साफ़ दिखाई देता है। ऐसे अवसरों पर हिंदी व्याकरण और संरचना के प्रति अतिरिक्त सचेत नहीं रहती; बल्कि पूरी सदिच्छा और उदारता के साथ इस प्रभाव को आत्मसात कर लेती है। यही प्रवृत्ति हिंदी के निरंतर विकास का आधार है और जब तक यह प्रवृत्ति है तब तक हिंदी का विकास रुक नहीं सकता। बाज़ारीकरण की अन्य कितने भी कारणों से निंदा की जा सकती हो, लेकिन यह मानना होगा कि उसने हिंदी के लिए अनुकूल चुनौती प्रस्तुत की। बाज़ारीकरण ने आर्थिक उदारीकरण, सूचनाक्रांति तथा जीवनशैली के वैश्वीकरण की जो स्थितियाँ भारत की जनता के सामने रखी, इसमें संदेह नहीं कि उनमें पड़कर हिंदी भाषा के अभिव्यक्ति कौशल का विकास ही हुआ। अभिव्यक्ति कौशल के विकास का अर्थ भाषा का विकास ही है।

क) संचार माध्यम हिंदी के वैश्विक प्रसार में किस प्रकार योगदान दे रहे हैं ? 2

ख) हिंदी भाषा की तत्समता से सरलीकरण की ओर जाने का क्या अभिप्राय है ? 2

ग) संचार माध्यम भाषा को किस प्रकार प्रभावित करते हैं ? 2

घ) कैसे कहा जा सकता है कि हिंदी की वास्तविक शक्ति को उभारने में संचार माध्यमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2

च) हिंदी को वैश्विक स्वीकृति प्राप्त होने के क्या कारण हैं ? 2

छ) बहुराष्ट्रीय कंपनियों को हिंदी का सहारा क्यों लेना पड़ रहा है ? 2

ज) हिंदी का बुनियादी चरित्र और प्रकृति क्या है ? 2

झ) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए | 1

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –** 1x5=5

माँ अनपढ़ थीं
उसके लेखे

काले अच्छर भैंस बराबर
थे नागिन से टेढ़े – मेढ़े
नहीं याद था
उसे श्लोक स्तुति का कोई भी
नहीं जानती थी आवाहन
या कि विसर्जन देवी माँ का
नहीं वक्त था
ठाकुरबाड़ी या शिवमंदिर जाने का भी
तो भी उसकी तुलसी माई
नित्य सहेज लिया करती थीं
निश्छल करुण अश्रु-गीतों में
लिपटे – गुँथे दर्द को माँ के ।
अकस्मात बीमार हुई माँ
चौका - बासन , गोबर -गोंइठा ओरियाने में
सुखवन ले जाने , लाने में
भीगी थीं सारे दिन जम कर
ऐसा चढ़ा बुखार
न उतरा अंतिम क्षण तक
दुर्बल तन वृध्दावस्था का
झेल नहीं पाया प्रकोप
ज्वर का अति भीषण ,
लकवा मारा , देह समूची सुन्न हो गई,
गल्ले वाले घर की चाभी
पहुँच गई 'ग्रेजुएट' भाभी के
तार -चढ़े मखमली पर्स में ।

क. 'काले अच्छर भैंस बराबर' से कवि का क्या आशय है ?
ख. 'माँ' को मंदिर जाने का समय क्यों नहीं मिलता था ?
ग. 'माँ' तुलसी माई को क्या अर्पित करती थी ?
घ. 'माँ' का तन बुखार के प्रकोप को क्यों नहीं झेल पाया ?
च. 'माँ' की शारीरिक असमर्थता से भाभी को क्या फायदा हुआ ?

खंड - ख

3. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए** - 5

(क) भारत का अन्तरिक्ष अभियान
(ख) स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत
(ग) युवा पीढ़ी और देश का भविष्य
(घ) अंतर्जाल के जाल में फंस रही युवा पीढ़ी

4 . बेंगलूरू से प्रकाशित राजस्थान पत्रिका समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए जिसमें "आपके क्षेत्र में हो रही बिजली चोरी को रोकने" के विषय में बताया गया हो। 5

अथवा

अपने शहर के सरकारी विद्यालयों में अध्यापकों की कमी की ओर ध्यान दिलाते हुए नगर शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखिए एवं अध्यापकों की नियुक्ति हेतु आग्रह कीजिए ।

5 . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 5X1 = 5

क. संचार के कौन-कौन से तत्व हैं ?
ख. एनकोडिंग किसे कहते हैं ?
ग.भारत में पहला अखबार कब और कहाँ से निकला ?
घ. ' वाचडॉग ' पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?
च. 'बीट' किसे कहते हैं ?

6. "प्रगति के पथ पर भारत " विषय पर एक **आलेख** लिखिए । 5

अथवा

हाल में पढ़ी गई किसी पुस्तक की समीक्षा लिखिए ।

7. "आज के युग में दिनोंदिन कम होती नैतिकता " पर एक फीचर लिखिए । 5

खंड –ग

8. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2X4=8

जिंदगी में जो कुछ है,जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है;
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है।
गरबीली गरीबी यह,ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार -वैभव सब

क.कवि किसे सहर्ष स्वीकार कर रहा है?

ख.गरीबी को गरबीली क्यों कहा गया है?

ग.कवि को क्या-क्या प्यारा है?

घ.कवि और कविता का नाम लिखिए।

अथवा

प्रात: नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी भी गीला पड़ा है)

बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गयी हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।

क . ये पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं और इसके कवि कौन हैं?

ख. इन काव्य पंक्तियों में कौन- सा बिम्ब उभर कर आया है?

ग . गाँव की किन- किन परिस्थितियों को उभारा गया है?

(घ)" नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह" का आशय स्पष्ट करें?

9 निम्नलिखित में से **किसी एक** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2x3=6

किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार चेटकी।
पेटको पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,
अटत गहन-गन अहन अखेट की।।
ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी।
'तुलसी' बुझाइ एक राम घनस्याम ही तें,
आगि बड़वागि तें बड़ी है आगि पेटकी।।

क . इन काव्य पंक्तियों का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

ख . पेट की आग को कैसे शांत किया जा सकता है?

ग.'पेट को पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि' - इस पंक्ति से कवि का क्या अभिप्राय है?

अथवा

मैं जग जीवन का भार लिए फिरता हू□
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हू□

कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर
मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हू□

क. कविता की भाषा संबंधी दो विशेषताएँ लिखिए |
ख. पहली और अंतिम पंक्ति का विरोधाभास स्पष्ट करें?
ग. कविता के भाव - सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए |

10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2x3=6
क)' मैं और ,और जग और कहाँ का नाता ' पंक्ति में 'और' शब्द की विशेषता बताइए |
ख)"कैमरे में बंद अपाहिज"- करूणा के मोखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। स्पष्ट करें?
ग) 'अशनि –पात से शापित उन्नत शत - शत वीर' पंक्ति में किसकी ओर संकेत किया गया है

11. निम्नलिखित में से **किसी एक** गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2 x4 = 8

परिवार और परिस्थितियों के कारण स्वभाव में जो विषमताएँ उत्पन्न हो गई हैं, उनके भीतर से एक स्नेह और सहानुभूति की आभा फूटती रहती है, इसी से उसके संपर्क में आनेवाले व्यक्ति उसमें जीवन की सहज मार्मिकता ही पाते है। छात्रावास की बालिकाओं में से कोई अपनी चाय बनवाने के लिए देहली पर बैठी रहती है, कोई बाहर खड़ी मेरे लिए नाश्ते को चखकर उसके स्वाद की विवेचना करती रहती है। मेरे बाहर निकलते ही सब चिड़ियों के समान उड़ जाती हैं और भीतर आते ही यथास्थान विराजमान हो जाती हैं। इन्हें आने में रूकावट न हो, संभवतः इसी से भक्तिन अपना दोनों जून का भोजन सवेरे ही बनाकर ऊपर के आले में रख देती है और खाते समय चौके का एक कोना धोकर पाक-छूत के सनातन नियम से समझौता कर लेती है।मेरे परिचितों और साहित्यिक बंधुओं से भी भक्तिन विशेष परिचित है, पर उनके प्रति भक्तिन के सम्मान की मात्रा, मेरे प्रति उनके सम्मान की मात्रा पर निर्भर है और सद्भाव उनके प्रति मेरे सद्भाव से निश्चित होता है। इस संबंध में भक्तिन की सहज बुद्धि विस्मित कर देने वाली है।

क)भक्तिन का स्वभाव परिवार में रहकर कैसा हो गया है ?
ख) भक्तिन के पास छात्रावास की छात्राएँ क्यों आती हैं ?
ग)छात्राओं के आने में रुकावट न डालने के लिए भक्तिन ने क्या - क्या उपाय किए ?
घ)साहित्यकारों के प्रति भक्तिन के सम्मान का क्या मापदंड है ?

अथवा

-'बाजार-दर्शन' पाठ में लेखक ने बाज़ार की जादुई शक्ति को प्रदर्शित किया है|बाजारवाद और उपभोक्तावाद के साथ-साथ अर्थनीति एवं दर्शन से संबंधित प्रश्नों को सुलझाने का प्रयास किया गया है। बाजार का जादू तभी असर करता है जब मन खाली हो| बाजार के जादू को रोकने का उपाय यह है कि बाजार जाते समय मन खाली न हो, मन में लक्ष्य भरा हो| बाजार की असली

सार्थकता है जरूरत के वक्त काम आना| बाजार को वही मनुष्य लाभ दे सकता है जो वास्तव में अपनी आवश्यकता के अनुसार खरीदना चाहता है| जो लोग अपने पैसों के घमंड में अपनी पर्चेजिंग पावर को दिखाने के लिए चीजें खरीदते हैं वे बाजार को शैतानी व्यंग्य शक्ति देते हैं| ऐसे लोग बाजारूपन और कपट बढ़ाते हैं | पैसे की यह व्यंग्य शक्ति व्यक्ति को अपने सगे लोगों के प्रति भी कृतघ्न बना सकती है | साधारण जन का हृदय लालसा, ईर्ष्या और तृष्णा से जलने लगता है | दूसरी ओर ऐसा व्यक्ति जिसके मन में लेश मात्र भी लोभ और तृष्णा नहीं है, संचय की इच्छा नहीं है वह इस व्यंग्य-शक्ति से बचा रहता है | भगतजी ऐसे ही आत्मबल के धनी आदर्श ग्राहक और बेचक हैं जिन पर पैसे की व्यंग्य-शक्ति का कोई असर नहीं होता | अनेक उदाहरणों के द्वारा लेखक ने यह स्पष्ट किया है कि एक ओर बाजार, लालची, असंतोषी और खोखले मन वाले व्यक्तियों को लूटने के लिए है वहीं दूसरी ओर संतोषी मन वालों के लिए बाजार की चमक-दमक, उसका आकर्षण कोई महत्त्व नहीं रखता।

क)लेखक ने बाजार का जादू किसे कहा है, इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

ख)पर्चेजिंग पावर किसे कहा गया है, बाजार पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

ग) अर्थशास्त्र, अनीतिशास्त्र कब बन जाता है?
घ) 'जहाँ तृष्णा है, बटोर रखने की स्पृहा है, वहाँ उस बल का बीज नहीं है।' यहाँ किस बल की चर्चा की गयी है?

12. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 3x4=12

क) ' गगरी फूटी बैल पियासा' इन्दर सेना के इस खेलगीत में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों मुखरित हुई है ?

ख)लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरू कोई पहलवान नहीं , यही ढोलक है?

ग) श्री विष्णु खरे ने चार्ली का भारतीयकरण किसे कहा और क्यों ?

घ) 'नमक' कहानी के आधार पर सफिया की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए |
ड)भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गईं ?

13. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में भारतीय समाज की किन समस्याओं की ओर संकेत किया गया है ? इन समस्याओं के समाधान में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालिए | 5

14. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2× 5 =10

क. श्री सौन्दलगेकर के अध्यापन की उन विशेषताओं को रेखांकित करें जिन्होंने कविताओं के प्रति लेखक के मन में रूचि जगाई |

ख. ‘ सिन्धु - सभ्यता राज –पोषित या धर्म पोषित न होकर समाज पोषित थी’ ऐसा क्यों कहा गया ? स्पष्ट कीजिए |

----------***----------